योग में कोई भी शुभ कार्य किए जा सकते हैं।	पश्चात वणिज नामक करण लगेगा।

प्रातः 11.27 मि. तक चर चल धनिष्ठा नक्षत्र रहेगा पश्चात चर
ा नक्षत्र लगेगा। अक्षर ज्ञान, अध्ययन, अध्यापन, धार्मिक
ुस्तकालय आदि के संचालन हेतु धनिष्ठा नक्षत्र शुभ रहते हैं। पद
ी कर्मियों की नियुक्ति, चुनाव प्रचार, राजनीतिक
षा नक्षत्र में निर्विवाद किए जा सकते हैं।

	श्रेष्ठ चौघड़िए	चौघड़िया के अनुसार समय -
समय के	प्रातः 09.26 मि. से दोप. 02.00 मि. तक क्रमशः चंचल लाभ व अमृत के चौघड़िया रहेंगे।	

दोष व्रत। वंजुली महाद्वादशी। वारुणी योग (दोप. 02.39 मि. से
त तक)। **चंद्रमा** - सूर्योदय से लेकर सम्पूर्ण दिवस पर्यन्त तक
राशि में रहेंगे। **पंचक** - पंचक जारी रहेंगे। **दिशाशूल** - उत्तर
तो आज के दिन उत्तर दिशा में यात्रा को टालना चाहिए)। **राहु**
से 05.03.23 तक राहु काल वेला रहेगी। अगर हो सके तो इस
करने से बचना चाहिए।

ने वाले बच्चे आज जन्म लिए बच्चों के नाम (गे, गो, सा, सी, सू) अक्षरों पर रख

च्चों का जन्म तांबे के पाए में होगा। सूर्योदय से लेकर
क कुंभ राशि रहेगी। आज जन्म लिए बच्चे देह से सामान्य होंगे।
ादय करीब 23 वर्ष की आयु में होगा। घुस्सा हमेशा इनकी नाक
ना पसंद करेंगे। थोड़े से शकी मिजाज के भी होंगे। कार्यों को
कुंभ राशि के जातक शिल्प कला को जानने वाले होंगे। इन्हें
रल स्वभाव को नहीं छोड़ना चाहिए।

DI फेसबुक पेज visit, like and sh r
हर खबर से आपको रखे अपडेट facebook.com/indore.patrika

अधिक खबरें और फोटो के लिए
स्कैन करें

दिया। बाबा रामदेव ने कहा, वह जल्द इंदौर सहित देश में प्राकृतिक चिकित्सा के लिए निरामया योग केंद्र की स्थापना के लिए प्रयासशील हैं। उन्होंने समिति के अध्यक्ष मोहनलाल बंसल, के नेतृत्व में हरिद्वार में अग्रसेन महासभा के सदस्य बाबा के सात दिवसीय शिविर में भाग लेने पहुंचे।

कुंदकुंद ज्ञानपीठ व ज्ञानोदय पुरस्कार समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा

साहित्य संरक्षण आज की आवश्यकता

इंदौर @ पत्रिका. देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के मान्य शोध केंद्र कुंदकुंद ज्ञानपीठ द्वारा कुंदकुंद ज्ञानपीठ व ज्ञानोदय पुरस्कार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विनयानंदी महाराज व डीएवीवी की कुलपति प्रो.रेणु जैन की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि डॉ.बीआर आंबेडकर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.डीके शर्मा, विशिष्ट अतिथि प्रो.वीबी गुप्ता व न्यायमूर्ति जेके जैन थे।

प्रो.जैन ने कहा कि प्राचीन साहित्य का संरक्षण वर्तमान की आवश्यकता है। नई पीढ़ी को आगे आकर इसका प्रचार-प्रसार करना होगा। ज्ञान के इस नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए शोधार्थियों को आगे आना होगा। डीएवीवी में प्राचीन भारतीय गणित विषय पर शोध केंद्र है जहां प्राचीन ज्ञान को प्रकाश में लाने का काम किया जा रहा है। केंद्र के अंतर्गत प्राचीन गणित पर तीन माह का कोर्स भी शुरू करने जा रहे है जिसमें वैदिक और जैन गणित दोनों पढ़ाए जाएंगे। नई दिल्ली की डॉ.कल्पना जैन को कुंदकुंद ज्ञानपीठ पुरस्कार व वाराणसी के डॉ.संजीव सराफ को ज्ञानोदय पुरस्कार से नवाजा गया। डॉ.जैन ने पांडुलिपियों के अनुवाद व प्रकाशन का कार्य किया है। अमित कासलीवाल ने ट्रस्ट का परिचय दिया और डॉ.अनुपम जैन ने ज्ञानपीठ की उपलब्धियां बताई। संचालन प्रो.श्रेणिक बंडी ने किया।